

SHRI SISSIR PURUSHOTTAM MISHRA

Shri Sissir Purushottam Mishra is a renowned Indian Film Writer and Director. He is popularly known as the "Dronacharya of Oriya Cinema". He has pioneered modern film making in Oriya cinema and was the first person to produce, write and direct the TV serial in Oriya known as DHARMAVATAR for Doordarshan. He has been known to be a perfectionist who doesn't believe in compromising on the quality of his work at any cost. He is hence regarded as the best Director of Oriya Industry. Shri Mishra, in his career, has written and directed multiple award-winning movies in both Odia & Hindi language. In Hindi his movies (Bheegi Palkein & Samay Ki Dhara) have been nominated in International film festival (IFFI & Moscow) respectively.

2. Born on April 3, 1943, in Bomkei, near Brahmapur in Ganjam district of Odisha, he received his Bachelor of Science degree from Khallikote College, Brahmapur and Masters of Science, in Physics from Ravenshaw College, Cuttack, both from UTKAL University. He has been continuously dedicating his entire life to the Indian Film Industry. He left his academic career as Lecturer in Physics and moved to Mumbai in June 1966. Shri Mishra started his film career in Hindi films as an Assistant Director under Director Jyoti Swarup of "Padosan" fame. In 1975, he became an independent Film Writer & Director with the Oriya Cinema — Sindoor Bindu.

3. Shri Mishra, in the year 1978 was the first person to convince the government of Odisha to start the Kalinga Film Studio which facilitated film shooting and entire post production work, this project was done in association with Prasad Studios (Chennai). He also persuaded the IB department to start the Oriya film censor certification at Bhubaneswar in 1990, which was a much-needed criterion for the industry to survive on its own. All this effort inspired the Oriya Film producers to make multiple Oriya films and serials. This further enhanced the opportunity of getting work for many film workers. Shri Mishra, currently produced and created the 1st Odia Kids Edutainment channel on YouTube in the world, which has close to 50 lacs of people as viewers across the globe. Also, he is producing and directing the first animated documentary film on KONARK, The Sun Temple of India.

4. Shri Mishra has received numerous awards and honours. He is the only Odia film personality who has been conferred with DADA SAHEB PHALKE ACADEMY AWARD in Mumbai, in 2011 for his contribution to the Hindi Film Industry. The art & culture department of State of Odisha has awarded him with JAIDEV AWARD, in 2005. The highest award in Odisha — NITAIPALIT Award for a film personality in state of Odisha has also been given to him in the category of BEST DIRECTOR, in 2004. He has also been awarded as Best Director at Film & Cultural Festival, by The Government of Odisha, in 2006. The most popular TV channel in Odisha, OTV gave him — Best Citizen Award in Art & Entertainment Category, in 2015. He has been awarded with KALINGA BHARAT RATNA for his contribution to the Oriya film Industry, in 2016, he was felicitated by Chief Minister of Haryana Shri Manohar Lal Khattar, Union Petroleum Minister Shri Dharmendra Pradhan and Governor of Odisha.



श्री शिशिर पुरूषोत्तम मिश्रा

श्री शिशिर पुरूषोत्तम मिश्रा ख्यातिप्राप्त भारतीय फिल्म लेखक और निर्देशक हैं। आप "उड़िया सिनेमा के द्रोणाचार्य" के रूप में प्रख्यात हैं। आपने उड़िया सिनेमा में आधुनिक फिल्म निर्माण का पथ-प्रशस्त किया है और आप धर्मअवतार के नाम से ज्ञात दूरदर्शन के लिए प्रथम उड़िया टी.वी. धारावाहिक बनाने, लिखने और निर्देशन करने वाले पहले व्यक्ति हैं। आप पूर्णतावादी के रूप में जाने जाते हैं जो किसी भी कीमत पर गुणवत्ता के साथ समझौता करने में विश्वास नहीं करते हैं। इसलिए आपको उड़िया फिल्म उद्योग का सर्वश्रेष्ठ निर्देशक माना जाता है। आपने अपने जीवन काल में उड़िया और हिन्दी दोनों भाषाओं में अवार्ड जीतने वाली बहुत सी फिल्में लिखी हैं और उनका निर्देशन किया है। हिन्दी भाषा में उनकी, भीगी पलकें और समय की धारा फिल्मों का नामांकन अन्तरराष्ट्रीय फिल्म समारोह क्रमश: आईएफएफआई और मॉस्को के लिए किया गया है।

2. आपका जन्म 3 अप्रैल,1943 को बोमकी में, उडिशा के गजम जिले के ब्रहमपुर के निकट हुआ। आपने उत्कल विश्वविद्यालय के खलीकोट, महाविद्यालय, ब्रहमपुर से विज्ञान स्नातक की डिग्री और रवेणशा महाविद्यालय, कटक से भौतिक विज्ञान में विज्ञान स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की। आपने अपना पूरा जीवन भारतीय फिल्म उद्योग को समर्पित कर दिया है। आपने भौतिक विज्ञान के लेक्चरर रूप में अपना शैक्षिक पेशा छोड़ दिया और जून 1966 में आप मुम्बई चले गए। आपने हिन्दी फिल्मों में अपना करिअर "पड़ोसन" नाम की फिल्म के निर्देशक ज्योति स्वरूप के सहायक निर्देशक के रूप में आरंभ किया। "सिंदूर बिंदु" के साथ आप उड़िया सिनेमा के स्वतंत्र फिल्म लेखक और निर्देशक बन गए।

3. आप प्रथम व्यक्ति हैं जिन्होंने वर्ष 1978 में कलिंग फिल्म स्टुडियो चलाने के लिए ओडिशा सरकार को मनाया, जिसके कारण फिल्म की शूटिंग करना और फिल्म निर्माण के बाद का पूरा कार्य किया जाना सरल हो पाया। यह परियोजना प्रसाद स्टुडियो, चेन्नई के सहयोग से पूरी हुई। वर्ष 1990 में, भुवनेश्वर में उड़िया फिल्म सेंसर प्रमाणन आरंभ करने के लिए आपने सूचना और प्रसारण विभाग को राजी किया, जो फिल्म उद्योग के अपने आप पर टिके रहने के लिए अति आवश्यक था। इन सभी प्रयासों ने उड़िया फिल्म निर्माताओं को बहुत सी उड़िया फिल्में और धारावाहिक बनाने के लिए प्रेरित किया। इससे बहुत से फिल्म कार्यकर्ताओं के लिए काम प्राप्त करने के अवसरों में वृद्धि हुई। हाल ही में आपने यू-ट्यूब पर विश्व का पहला उड़िया किड्स एड्युटेनमेंट चैनल निर्मित और तैयार किया, पूरे विश्व में इसके लगभग 50 लाख दर्शक हैं। आप कोणार्क, भारत के सूर्य मंदिर पर प्रथम एनिमेटिड वृत्त-चित्र बना रहे हैं और इसका निर्देशन कर रहे हैं।

4. आपको बहुत से पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हैं। आप उड़िया फिल्म उद्योग के पहले व्यक्ति हैं जिन्हें हिन्दी फिल्म उद्योग में योगदान देने हेतु वर्ष 2011 में मुम्बई में दादा साहब फालके अवार्ड से नवाजा गया है। ओडिशा राज्य के कला और संस्कृति विभाग ने वर्ष 2005 में आपको जयदेव अवार्ड दिया। वर्ष 2004 में सर्वश्रेष्ठ निदेशक की श्रेणी में आपको ओडिशा राज्य की फिल्म पर्सनलिटी के लिए ओडिशा का उच्चतम पुरस्कार नितईपलित प्रदान किया गया है। वर्ष 2006 में ओडिशा सरकार द्वारा आपको फिल्म और सांस्कृतिक समारोह में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का अवार्ड दिया गया। ओडिशा के सर्वाधिक प्रसिद्ध टी.वी. चैनल-ओटीवी द्वारा वर्ष 2005 में कला और मनोरंजन श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ नागरिक पुरस्कार दिया गया। वर्ष 2016 में ओडिशा सरकार द्वारा, उड़िया फिल्म उद्योग में आपके योगदान हेतु आपको कलिंग भारत रत्न पुरस्कार प्रदान किया गया, इसके लिए हरियाणा के मुख्य मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर,केन्द्र के पेट्रोलियम मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान और ओडिशा के राज्यपाल ने आपको बधाई दी।